

الهَدْي النبوي
في
نقد الذات.. والآخر
(دراسة تأصيلية)

إعداد
فايدة إبراهيم حافظ عواد

المشرف
الأستاذ الدكتور باسم فيصل الجوابرة

قدمت هذه الرسالة استكمالاً لمتطلبات الحصول على درجة الماجستير في

الحديث النبوي الشريف

تعتمد كلية الدراسات العليا
هذه النسخة من الرسالة

التاريخ: ٢٠٠٧/٠٤/٠١

كلية الدراسات العليا

الجامعة الأردنية

أيار، ٢٠٠٧

نوقشت هذه الرسالة: الهدى النبوي في نقد الذات.. والآخر (دراسة تأصيلية)
وأجيزت بتاريخ: ٢٠٠٧/٥/١٧م

التوقيع

أعضاء لجنة المناقشة

مشرفا

الأستاذ الدكتور: باسم فيصل الجوابرة

أستاذ حديث- أصول الدين

عضوا

الأستاذ الدكتور: ياسر الشمالي

أستاذ حديث- أصول الدين

عضوا

الدكتور: سلطان العكايلة

أستاذ حديث- أصول الدين

عضوا

الدكتور: محمد عبد الرزاق الرعود

أمين عام وزارة الأوقاف والشؤون

والمقدسات الإسلامية.

تعتمد كلية الدراسات العليا
هذه النسخة من الرسالة
التاريخ: ٢٠٠٧/٥/١٧

الهدي النبوي
في
نقد الذات.. والآخر
(دراسة تأصيلية)

إعداد
فايدة إبراهيم حافظ عواد

المشرف
الأستاذ الدكتور باسم فيصل الجوابرة

قدمت هذه الرسالة استكمالاً لمتطلبات الحصول على درجة الماجستير في

الحديث النبوي الشريف

تعتد كلية الدراسات العليا
هذه النسخة من الرسالة
التاريخ: ٢٠٠٧/٥/١٥

٢٠٠٧

كلية الدراسات العليا

الجامعة الأردنية

أيار، ٢٠٠٧

نوقشت هذه الرسالة: الهدى النبوي في نقد الذات.. والآخر (دراسة تأصيلية)

وأجيزت بتاريخ: ٢٠٠٧/٥/١٧م

التوقيع

أعضاء لجنة المناقشة

مشرفا



الأستاذ الدكتور: باسم فيصل الجوابرة

أستاذ حديث- أصول الدين

عضوا



الأستاذ الدكتور: ياسر الشمالي

أستاذ حديث- أصول الدين

عضوا



الدكتور: سلطان العكايلة

أستاذ حديث- أصول الدين

عضوا



الدكتور: محمد عبد الرزاق الرعود

أمين عام وزارة الأوقاف والشؤون

والمقدسات الإسلامية.

تتعتمد كلية الدراسات العليا
هذه النسخة من الرسالة
التاريخ: ٢٠٠٧/٥/١٧

..

ع

..

∴ ∴

∴

∴

<u>الصفحة</u>	<u>الموضوع</u>
أ	
ب	
ج	
د	
خ	
ط	
١	
١٣	:
١٣	:
١٣	:
١٦	:
١٨	:
٢٥	:
٢٧	:
٣٥	:
٤٥	:
٤٥	:
٤٥	:
٤٩	:
٥٠	:
٥١	:

٥١	:
٥٢	:
٥٤	:
٥٧	:
٦٠	:
٦٠	:
٦٠	:
٦٤	:
٦٩	:
٦٩	:
٧٠	:
	:
٧٣	:
٧٣	:
٧٣	:
٧٥	:
٧٦	:
٧٨	:
٨٠	:
٨٢	:
٨٥	:
٨٥	:
٨٨	:
٩٠	:
٩٢	:

٩٢	:
٩٢	:
٩٦	:
١٠٠	:
١٠١	:
١٠١	:
١٠٢	:
١٠٤	:
١٠٦	:
١٠٨	:
١٠٨	:
١٠٨	:
١١١	:
١١٤	:
١١٥	:
١١٦	:
١١٧	:
١١٨	- -
١٢١	:
١٢٣	:
	:
١٢٦	:
١٢٦	:
١٢٦	:
١٣٠	:
١٣٣	:

١٣٣	:
١٣٥	:
١٤١	:
١٤٤	:
١٤٤	:
١٤٦	:
١٤٩	:
	:
١٥٤	:
١٥٤	:
١٥٤	:
١٧٥	:
١٧٩	:
١٧٩	:
١٨٩	:
١٩١	:
١٩١	:
٢٠٠	:
٢٠٠	:
٢٠١	:
٢٠٢	:
	:
٢١١	:
٢١١	:
٢١١	:

()

..

..

..

..

..

..

..

..

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

: **.(The Power of Positive Criticism)** -

: **(Hendry Weisinger)**

(

Matthew) : .(Self – Esteem) -
(:) .(McKay And Patrick Fanning

Jay) : .(Nasty People) -
(:) .(Carter

-

-

-

-

-

..

..

..

..

|

|

|

|

|

|

|

|

|

|

٧

:

::

:

:

-

-

-

..

..

..

..

..

::

.

).

:

::

()

•
•

)

()

المبحث الثاني: مشروعية النقد

:

:

:

:

:

:

:

:

:

..

:

()

: :

: :

()

: :

: :

() :

() :

() , () :) , () / ()
 (/) () , () / ()
 , : , () / -
 (/) ()
 :) , () / -
 () () , , ()
 (/) , ()
 (/) , ()
 (/) , ()
 (/) , ()
 (/) : () , / ()

، : ، -
 ، : ()
 ، () : ،
 : ()
 : ، : •
 .() .()) .()
 .() . : •
 : •
 () . :

() ،
) :
 ، ، :
 ، ()
 ، : ، ()
 ، () ، / ()
 ()
 ، () ، / ()
 ، : .() .()
 (/) : ()
 ، () ، / ()
 () .() ،
 : () / ()
 () ()

:

:

: |

: |

: |

:-

-

-

-

-

-

... : () :

... ()

() :

...

... ()

:

...

:

:

... ()

... ()

:

:

... ()

:

... () : , ... () / ()

... : , : ()

... () / (/)

... (/) , : ,

(/) .. : , : , ()

... (/) .. : , : , ()

... (/) .. : ...

... () , ... () / ()

()

... () / ()

() .()

) :

: .. :
.() (.. —

: , : :

. ()

. ()

:

/ (/) : , : , ()
 () , (:) , ()
) : , () / . (/) : ,
 , () , (:) , (/ /)
 , , , () / ()
 (/) . ()
 () , ()

: . : : (

.() :

.() (,):

()

.():

):

: , (/) : , : ()

(/)

, () / . (:)

. (- -):

(/) : , : ()

- - (/ /)

()

:

()

:

()

:

()

:

-

()

()

)

()

:

(-)

:

() , / ()

()

()

() ,

:

() , / ()

(- /)

:

() , / ()

:

:

() ,

:

() , / ()

() ..

:

() .

() ,

:

() , / ()

()

()

(Criticism)

(Kritikos)

()

(:) () / / ()

() .

() , ()

() Harry Shaw, **Dictionary of Literary Terms**, Mc GRAW-HILL BOOK COMPANY, U.S.A., (Page).

()

()

()

:

:

:

:

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() () , / : ()
 () () , / : ()
 (-)
 (-) / -
 (-) / -
 (-) .
 () ()
 () (/) , : ()
 (:) () / ()
 () ()
 () () ()
 (/) ()

: _____ :

: :

:
:
:

: . :

: .()

.()

. :

:

):

: ..

()

: - -

)

: .()

.(/),.()

, / ()

.(/) ()

(- /) ()

.(:) , .() / ()

: , .(/) , : .(),

/ .(/ /) .(/)

) :

.() (

.()

/ (/) , , (:) () (/ /) ()
() , (:) , (/ /) (/ /)
:) , (/) () ()
:) () / () () ()
() (:) : (/)
.() : (:) , / .(/) .()
:) , () / () ()
.() () , ()
: , ()
: (/) : ,
(:) : ,
: (/) .(/) ()
() . : , () , / ()

) : - -
 .()
 .()
 .()

.()

: :

() . . .
 () / ()
 () ()

:

:

:

:

()

() _____ ()

()

:

() , ()

: () : ()
 .() :
 : , (/) : , ()
 : (/) : (/ /)
 (/) : , ()
 : () :
 : () :
 : (/) () ()

()

:

()

()

:

:

.

:

:

()

):

()

()

):

:

.

()

()

:

(

:

)

(

,

)

()

() . ()

()

()

(/)

:

:

()

(/)

:

-

(/)

,

:

:

()

:

,

,

,

-

(/) ,

-

-

:

()

()

) :

()

()

()

) :

()

() :

⋮ (/) ⋮ ()

() () / (/)

⋮ ⋮ ()

⋮ (:) (/)

(/ /) ⋮

(/) :

):

(

() ()

() ()

() ()

: : () (..) : ()
 : () , ()
 : : ()
 : : ..) : ()
 () : () () ()
 () : () : :
 () : () : :
 : , (/) : , : ()
 (/)
 () : ()
 () () ()
(Nasty People) () , () / ()
 () :
 (/) (/) ()
 (/) (/ /) ()
 :) , () / :
 () () ()
 , (:) , , () / ()
 (/) , () ,
 : , (/) .. : , : ()
 : , (/) , ,
 (/)

() : , : :
 () :
 .
 : :
 : :
 :

() : () : () :
 :

() : () : () :
 :
 () : - -
 () : :
 () , ()
 : ()

(/) : :
 () : ..)
 (/) () , () ()
 () () ()
 (/) ()
 (/) ()
 (/) : , : ()
 (/ / - / /) (/) .
 () :
 (/)

() .

(..)

()

:

:

(- /) . ()

(:) ,

() / ()

(:)

() /

(/) . ()

()
 :
 ()
 :
) : ()
 ()
 () , / : (-) , ()
 /) . , ()
 () ()
 () , ()
 () , ()
 () , ()
 () , / ()
 : , ()
 () ()
 () , ()

:

()

()

:

:

-

:

()

()

()

-

:

()

:

()

-

-

:

-

()

()

()..

,

:

(/)

()

()

()

()

()

()

()

(/)

()

()

()

(-)

()

، :
) :
 ..) : ، .()
 .()
 .
) :
 ،
 .()

() ، ()
 () ، ()
 () ، ()

:

:

:

:

:

:

:

):

:

:

:

.^(١)(

.()

.(/ /) .() ,

.() / ()

.(:)

، :
 . - :
 : :
 ..) : :
 : : (:
 : () :
 .. :
 -) :
 : .(-
 ()

,(/) : , :
 . (/)
 : (/)
 ,(/) : , : ()
 ,(/) : , - -
 (/ /)

. : .
 . :
 :
 : ()
 ()
 :
 :
 :) :
 ()
 : () : ()
 : (/)
 : (/) : (/)
 : (/ /)
 : () :
 () :
) :
 : (/) ()
 : (/)
 : (/) : () ()
 : (/) : (/)
 (/) : (/)
 (/ - /)
) : (/)
 :

) : .() :
 :) :

() (



(/) :
 : (/) : : ()
 (/) : (/)
 (/ /) (/) :
 ()

:

:

:

.. :

) : . () :

() (

...) :

: , (/) : , : ()
 ,(- /) : , ,(/)
 (/ /)

()

: _____ :

: .
: . :

()

()

:

:

:

()

() - - , ()

:) , () / ()

(/) , () , (

() , () , () / ()

() ()

) : ,
 .()
 ,
 ,
 ,
 ,
 ,
 ,
 : () :
 : () : .
 () () :
 () : - -
 () :
 : ..
 (/) , ()
 : , : ()
 : , (/)
 (/) : , (/)
 (/ /)
 (/).. : , : ()
 ,(/).. , ,(/) :
 ,(- /) : ,
 ,(/ /) ,(/) : ,
 ,
 :
 : . : :
 .

..

.)('

: _____ :

,

. :

:

.

: .('

: . :

:

.)('

:

:

,

.)('

,

)

.)('..

):

- -

:

:

:

. :

()

()

()

,

()

.(:) ,

.() /

()

() .()

()

()

()

()

$\cdot^{(1)}(\quad) :$

$\cdot^{(1)}(\quad) :$

$) :$

$) :$ $\cdot^{(1)}(\cdot \cdot$

$\cdot^{(1)}($

$) :$

$\cdot^{(1)}($

(\quad / \quad) (\quad)
 (\quad / \quad) , (\quad / \quad) , (\quad / \quad) (\quad / \quad)
 (\quad / \quad) , (\quad / \quad) : (\quad / \quad) , (\quad / \quad) $(\quad / \quad / \quad)$
 (\quad / \quad) (\quad / \quad)
 (\quad / \quad) : (\quad / \quad) (\quad / \quad) , (\quad / \quad) (\quad / \quad)
 (\quad / \quad) (\quad / \quad)

(\quad / \quad) : (\quad / \quad) : (\quad / \quad) : (\quad / \quad) (\quad / \quad)
 (\quad / \quad) : (\quad / \quad) , (\quad / \quad) , (\quad / \quad) (\quad / \quad)
 (\quad / \quad) : (\quad / \quad) , (\quad / \quad) (\quad / \quad)
 (\quad / \quad) : (\quad / \quad) , (\quad / \quad) (\quad / \quad)

) :

.() (

:

∴

∴

∴

.()

:) , () / ()

(/) , () , (

, www.awalethnain.com / ()

: , (/).. : , : ()
 : , (/)
 (/ , / /) (/)
) : () :
 .. (..) : (..) :
 :) : (/) : ()
 .(

() : ()
, () , ()

() :

: () () ()

- -

,) :

() ()

) :

() ()

:

(/) ()

() , ()

: ()

: (/)

..

:

: _____ :

()

) :

. ()

:

•

()

•

()

(/) _____ ()

() / ()

() / ()

(-)

() .

() / ()

() . :

()

()

-
-
-

()

:

-:

:

):

() (

_____ () ()

() / ()

() .

() / ()

() .

/) : (/) : : (/) ()

:) () / (/

(/) (/ /) () (

:) :(/) () () (

() / : : (/) ()

.(/) () (:)

: : - -

(/) - -

_____:

:
 :
 :
 ():
):
 .
 .^()
):
 : .
 : .():
 ! :
 : ():
 .
 .^()

: (/) (/)
 :
 (/ /)
 :
 :
 (/)
 (/) : : (/)
 : : ()
 .(/) :
 :
 (/) : ()
 .() - -

:

:

:

.

.

- -

()

:

- -

)

()

:

()

() .

() .

() / ()

() / -

() / ()

() .

()

()

:

:

:

:

:

-
-
-
-
-

.
 : _____
 : - -
) :
 : ()
 :
 :
 : _____
 :
) : ()
) : ()
 :
 : _____^()
 (/ /) (/) : : ()
 .
 (/) : : (/) (/)
 : : () ()
 : (/) .. :

_____ -

:
:
()
):

() (..

:

.

_____ -

:

() :

() () :

(/) : (/)

: (/) :
(/ /) (/)

(/) : : ()

: (/) :

: (/ /) (/)

(/)

(/) : : ()

: (/) :

(/ /) (/)

: (/)

):

:

.

:_____ -

:

:

() ()

.

:

:_____ -

:

:

: !

:

()

: .

.(..) : (..

() () :

.(..) : (/ /)

:) () /

):(/) () (

() : (.. :

.() : (/)

: (/) : : ()

(/) : (/)

(/ /)

/) (/) : : ()

(/

.

()!

:

:

.

:- : -

-

:

.

: ():

: ():-

:-

-

.

:

. ()

:

.

:-

:

:

()

(

)

:

.

(/)

:- : ()

:

(/)

: :

()

(/ /)

(/)

.

:

(/).

: ()

:

(/)..

(/ /)

(/)

.

:

:

()

:

:

:

:

() :

):

()

()

()

()

()

: .) :
 : . () :
 ! :
 : () :
 .
 . () (..
 .
 : _____ :
 :
 () () : :
 ..

 : (/) : () ()
 (/ /) (/)
 () :

) :

:

.() (

:

.()

:

.()

:

:

:

:

: () :

) :

.()

: . (

(/)..

: : ()

(/) ()

(/) ()

(/)

: : ()

(/ /)

:

:

:

():

: ():

):

:

:

:(

.(⁽():

:

:

(/)..

()

(/ /)

(/)

()

()

(/)

()

()

: _____ :
:

: () :
: () :
:

:(

(

:

):

(

:

:(

:(

:

:

)

(/) : _____ : ()
(/) : (/) :
(/) : (/) ()
(/) ()
(/) ()
(/) ()

.() (

:

.() -

: _____ :

:

() :

:

:

: ()

:

. :

.() :

() _____ ()

. // :

()

(/)

:

:

()

): (/)

:

:

(/)

:

(.

(/)

.(/ /)

(:

:
 :
 () :
) :
 : ...(
 .(
 :
 ! .() : ()
 () :
 :
) :
 .(
 .() : ..
 .() :
) : : ()
 : (/) ()
 (/) : (/)
 (/ /)
 { } : : ()
 () (/) :
 () ()
 (/) ()

()

()

.() :

):

.()

.(

_____ (/) ()

(/) ()

: (/) :

: (/)

(/) : (/)

(/ /) :

() : :
() :

: ()

()

()

() : () :

: :

) :

() .(: : ()
: (/) : :
: (/) .. (/)

(/) ()
() ()

:

): !

.()

.()

()

:

()

:

(/)

_____ : ()

:

(/)

(/ /)

(/)

():(/)

:

: (/)

(/)()

.(/ /)

(/) ()

(/) : : ()

:

):

(/)

.(

(/) ()

()

(/) ()

:

:

:

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

:

.()

:

.()

(/)

:

:

()

- /)

(/)

(/ /)

(- /

:

.(/)

.(

)

(/ /)

.(/) :

:

.(/)

(/ /) ()

:)

()

/ ()

(/) ()

(

:
 : () :
) :
) :
 . () :
 . () :
 : :
 () :
 . ()
 () :
 :
 . ()
 - - ()
 . (/) : (/)
 . (/) (/) ()
 (/) : (/ /) ()
) :
 . (..
 - -
 (/ /) : :
 (/) (/)
 () : (/)
 () (:) ()
 (/)

-

-

-

-

:

- -

):

.()

()(

):

.()()

:
: .
: .

:

() ()
() ()
() , ()

()

()

:

.

: .

:

: .():

()

()

():

):

()

):

()

(/) ()

. ()

: (/) : : ()

(/) :

(/ /)

: ():

.():

.():

() ()

. ()

(/) ()

..):

() (

:

:

.

:

.

: () : : () :

): .

):

.(

.() (

.()

:

:

:

:

.()

:

):

(:)

() ()

(/).()

(/)

: : ()

: (/)

:

(/)

(/) ()

() ()

() (

_____ :

:

:) : : . ()

: . () :

: . () :
()

: : :
() :

(/) .. : _____ (/) ()
: (/) : (/) ()

: (/) : (/ /)

(/) ()

) :
 ()
 ()
 : ()
 () :
 :
 ()
 :
 () :
 ()
 !
 - -
 { } : :
 (/) :
 (/) ()
 (- /) ()
 (/) ()
 () ()

: _____ :
:

:

: .

:

.

:

):

:

.

:

:

.() (

:

(...)

):

.() (

:

.() (

):

.() (

:

(

(/) ()
(/)

(/) :

_____ ()

:

()

()

(/)

()

(/)

()

:

()

() ()

:

:
 :
 :

:
) :

(

.

:

:

.() :

:

):

(/)

: : ()

(/)

(/).

(/)

:

(/)

:

(/)

(/ /)

()

.(

.()

() :

:

.()

:

) : ()

: (

:

):

(

(/)

.(

(/)

()

- -)

(/)

()

(/)

()

:

()

.

:

()

:

.

()

.

()

.

)

):

(

(/ /)

(/)

:

(/)

()

(/)

()

()

(- /)

()

()

()

) : (() :

! (

! :

()

: :

: _____ :

:

: .

: !

: () :

): .

<http://www.alarabnews.com/alshaab/> / - - /salman.htm / (')

() (// - //) :

: ()
) : ()
 () () : ()
 () () :

()

)
(

(/)
(/)

..[

] :
(/ /)

(/)

_____ ()

(/ /)

(/)

: : ()

): (/) ()

.(

.)

(

:

.)

()

:

():

:

():

.

.

:

.)

()

():

(/) ()

(/) ()

(/) ()

: :
 :
 :
) :
 () :
 () :
 (/) : : ()
 (/) :
 (/ /)
 : (- /)
) (/ /) ()
 : () / ()
 (- /) ()

:

:

:

:

:

.

)

.()

:

:

()

:

()

:

()

:

()

-

-

:

:

()

:

(/)

(/)

:

(/)

(/ /)

(/)

()

(/)

()

()

()

(/)

()

: _____ :

:

():

: ():

: . :

: :

):

: (

) :

() (

() :

() :

) : ()

()

(

:

()

) :

()

:

(

.

(/) : : ()

: (/) :

(/) :

:

(/)

(/ /)

() ()

(/) ()

(/) ()

(/)

()

() :
 :
 () :
 . :
 :
 :
 :
 :
 :
 () :
 :
 :

() () :

() ()
 (/) ()
 (- /) ()
 : (/) : : () ()
 (/) : (/)
 (/) :
 (/) :
 (/ /)
 () : () :

()

()

: ()

: ()

. ()

:

() :

. ()

(/) ()

(/) ()

() ()

(/) ()

() (/) ()

:

):

() :

() :

):

() :

() :

:

:

()

() :

:

() :

(/)

_____ ()

:

:

(/)

(/ /)

(/)

(/)

: : ()

(/)

: : ()

(/ /)

(/)

:

(/) ()

: : ()

(/)

() ()

()

(/) ()

() () :

. :
() . .

()

:

()

:

:

()

:

.	(/)	(/)	()
(/)	(/)	()
	(/)		()
		.	()
		.	()

.

:

()

()

):

()

:

..

:

()

:

()

(/)

:

:

()

(/ /)

(/)

:

(/)

()

(/)..

:

:

()

(/ /)

(/)

(/)

()

(/)

()

) :

()

(:

()

..

()

()

()

(

):

(/)

(/)

_____ ()

(/)

(/)

()

(/)

()

(/)

()

()

() :
()

: (/) (/) : : ()
: : : ()

.
:
.
:
.

(/ /)

(/)

:

) : ()

...

..

.(

The Power of

() ()
() .

_____)Hendrie Weisinger / ()

Positive Criticism

) :

()

:

(

:

.

:

:

.

:

()

.

(/)

_____ ()

:

(/)

:

(/ /)

(/)

/)

:).

.(

(/)

()

.

:

.

"

"

"

."

()

:

:

:

() :

()

.

:

.

:

:

()

:

:

(/)

:

()

()

:

(/) :

(/)

(/ /)

(/)

(/)

()

: .

.()

: _____ :

: ():

: : :

: :

() :

: :

()

: :

(/) (/) ()

(/) : : ()

(/)

:

(/ /)

(/)

:

(/) ()

()

() :

()

"

:

"

:

()

:- - :

:

):

() :

):

() :

()

):

()

(/) ()

(/) ()

(/) ()

. : ()
) : () :
 : () : : ()
 ()

. : . : : : ..

:
 . ()

- -

: (/) : (/) ()
 (/) : (/) (/ /)

() (:)) : (/)
 ..
 .(/) .(/) ()

: :
 :
 () :
) : : () :
 ()
 :
 : ! :
) : ! ()
 : . : ()
) : . : .
 ()
 :
 :
 : ()
 : : ()
 : (/) : : ()
 : (/) .. (/) ..
 (/ /) (/) ..
 - - (/) : : ()
 () () /
 (/ /) ()
 /) : . :
 (:) ()
 (/) ()
 () (/) ()

) : .

.

()

(

.

-

-

. ()

.

(/)

(/)

()

()

: :

:

()

..

..

:

: () :

()

:

-

-

:

()

()

)

:

: (/) : _____ ()

(/) : (/)

: (/) :

(/ /) (/)

(): .

(/) : : ()

(/) :

: (/) :

/) (/) : (/)

(/) (/

():

(/) ()

() ()

(

(

:

:

(

-

-

) :

(

) :

(

:

(/)

(/)..

:

(

(/)

(

(/)

(

(/)

(

..

:

:

:

- -

:

: ():

: ():

):

()

):

):

()

_____ ()

(/) :

(/)

(/ /)

()

) :
 .() ()(..
) :
 () : ()
 .() ()
) :
) : () : ()
 (() :
) : .. ()
 ()
 ()(..
 _____ ()
 () ()
 ()
 () ()
 () / ()
 (/) . ()

: () (Self-Esteem) () / / ()
 () .

() (

)

():

(): . - -

()

():

(Self-Esteem)

()

():

- -

- -

:

):

()

):

()

):

()

():

()

():

_____ () ()

() ()

(/ /) ()

()

: (/)

(/)

()

. () : : :

. ()

() (/)

() / ()
 (-).

:

:

-
!

:

:

-
:

:

:

:

.

:

:

: ():

!):

()

():

)

:()

(

. ()

:

(/)..

:

(/).

(/ /)

_____ : : ()

(/)

() ()

() (

.. :

) :

()

:

()

(

..) :

(/)

()

()

()

()

()

: :
 : :
 : :
 : () :
 : :

() () :
 : :
 : :
 () ..
 (..) :
 . ()

- -
 . ()

(/) .. { } : _____ ()
 (/) : (/ /)

. ()
 (/) ()
 (/) ()

) : () :

(

()

) :

(/)

()

:

(

:()

:
 :
 : () :
 : () :
 () :
 : () :
 ()
 : (..) :
 ..
 ()
 ()
 - -
 : (/) : ()
 : (/) ..
 : (/ /) (/)
 (/)
 : : ()
 : (/)
 (/) : (/) ..
 : (/) :
 (/ /) (/)
 (/)
 (/) ()
 ()
 (/) .

()

..

-

.

..

-

.

..

(/) ()

: : - - .
) : .

() (

() (

) :

:
() ..

- -

() :

:

())

()

()

() (/) : : ()
(/) : (/ /)
(/) (/ /)

(/ /) (/) . : ()

(/) ()

(/) ()

(/) (/) : ()

) : .

(

: _____ :

:

: !

:

):

()

(

()

):-

-

:

()

-

-

):

) (!

(

) (

:

.

:

(/)..

:

: / ()

(/ /)

:

(/)

(/ /)

()

(/)

()

:-

: ()

: ..

()

- -

) :

()

) :

: (

):

:

()

. :

(/) ()

(/) ()

: (/) : : () ()

(/) : (/)

(/ /) (/ /)

: . : .

.(/)

(/)(/)

.(/) (/)

()

)

(

:

: _____ :

:

:

:

():

):

.() (

):

: .():

!

:

: ():

.() (..

:

: ()

.()

-

-

() ()

() ()

(/) ()

(/) ()

():

()

()

()

):

()

):

(/) ()

()

: ()

(/)

:

(/)

:

()

⋮ _____ ⋮

⋮ ⋮

⋮

.

⋮ () :

⋮ () :

) :

.(

.() ..

⋮

⋮

.

) :

⋮

⋮

-

-

⋮

.

⋮

⋮

() (..

()

()

⋮ ⋮

(/ /)

(/) ..

()

) :

.

..

(

) :

⋮

⋮

⋮

(

(/)

.

()

:

()

..): () :

() (..

) - - :

() :

() :

(/)

(/ /) () ()

(/) () ()

:

() :

()

..

):

..

..

()

:

(/)

()

(/)

()

()

:

.

)

.()

-

-

()

.

.

:

:

() ()
(/) ()

()

:

_____ (/) ()

..

:

:

:

:

:

:

:

:

.

:

): :

):

: (

:

: (

.()

:

):

(!)

):

:

.()

:

.

(/)

_____ : : ()

:

(/)

:

(/ /)

(/)

) .

()

.(

(/)

()

(! :):

.() : .()

():

: ! :

: .()

:	()	()	/	()
		()		()
		()		()
		(/)		()
		()		()

:

() :

()

:

:

:

()

:

()

(/). : () ()

: (/)

(/) : (/)

: (/).. : (/)

() (- /) ()

(/) ()

:

()

:

:

:

()

_____ ()

:
) :
 ()
 :
 ()
 (/)
 (/) : (/)
 (/ /) (/) :
 (/) ()
 () ()

(/) ()
 () ()

.():

:):

()

()

:

:

: ()

: . :

:

.

()

(/) (/) ()
 (/) (/) ()
 (/) (/) ()

:

() (..) :

):

() (

() () :

:

()

()

-

:

-

(/) : : ()

: (/) .. :

: (/) (/) (/)

: (/) ()

(/)

(/ /) () ()

):

.(

(/) ()

() ()

):

(

):

(

):

(

(

(

):

(

):

(/)

:

:

()

:

(/)

:

(/)

:

(/)

(/)

:

(/ /)

(/)

:

:

()

(/ /)

(/)

:

:

()

()

:

):

()

:

.. : .

:

()

..

:

()	(/)	()
	()	()
(/)		()

:

):

()

: (

:

()

:

()

:

:

:

:

(/)

:

:

()

(/)

()

()

(/)

()

()

()

) :

() (

) :

(

()

) :

() (..

) :

()

(/)

()

()

()

(/)

()

(/)

(/)

(/)

(/)

(/ /)

()

() :

:

() :

()

() ()
 () ()
 () :

) : () :
 .() (

!) : () (

" " : . :
 .
 . () :

: ! : ()
 : :
 : :
 : :

(/) : : ()
 : (/) .. :
 (/) : (/)
 (/ /)

(/ /) ()
 (/) ()
 () ()

() :

:

:

) :

()

:

()

:

()

()

(/) : (/) : ()

(/) (/)

:

(/

:

()

()

()

(/)

(/) ()

() ()

(/) ()

):
 : .
 () : ()
 :
 . ()

(/) : : ()
 (/) :
 (/) (/ /) (/ /)
 (/ /) :
 .
 : : : ()
 : . (/)
 (/) (/) ()
 (/)

) :
 (: () :
 .. : . :
 . () :
 :
 :
 . () :
 :
 .
 () ()
 (/) ()
 . (/) (/) ()

) :

() (

:

:

()

()

:

:

()

(/) : : ()

(/) :

:

(/) :

(/ /)

(/)

)

(

(/) ()

() ()

(/) (/) (/) ()

) :

) :

() (..

() (

()

:

:

:

:

:

()

()

(/)

_____ ()

:

(/)

:

:

(/)

(/ /)

(/)

(/)

:

:

()

(/)

:

(/ /)

(/)

()

(/)

()

(/)

(/)

()

: _____ :

() : () :

() (

:

: .

. ()

(/) : : () ()

: (/) :

(/) : (/)

: (/ /) (/)

(/) (/) ()

:

()

): .

()

:

:

:

()

(/) ()

(/) : : ()

: (/) .. :

(/ /) (/)

(/) ()

:
 () () :
 : () :
 : ..
 ()
 :
) :
 () () :
 : :
 : () : () : ()
 () :
 :
 () () ()
 : (/) : : ()
 (/ /) (/)
 (/) ()

.. : . :

()

(/)

_____ (/) ()

:

) :
()

(/) : (/) ()

(/ /) (/) :

(/) (/) ()

(/) ()

() :

()

..

()

..

..

(/) ()
 () ()

) :

() (

:

:

: ()

..

()

:

.. :

: (/)
(/) :

: : ()
(/)
(/ /)
(/) ()
(/) ()

:
 : ()
):
 ():

: ()
 ():

:

()

:

:

:

..

:

(/)
 (/)
 (/)

: : ()
 (/)
 (/ /)
 (/ /)

/)

(/ /)

:

(/) ()

(..) :
 () :
 :
 : () : () :
) :
 : ()
 :
 : ()
 :
 :
 : () :
 () () :
 ..) :
 ()
 (/) : (/) : ()
 (/) : (/) :
 (/ /)
 (/) ()
 : (/) : : ()
 : (/)
 (/ /) (/)
 (/) : : ()

. : . :
 :
 . ()
 :
 . ()
 . ()
 :
) :
 . () ()
 . () : . : :
 . () :
 ()
 .. :
 . ()
 (/) (/) ()
 (/) ()
 (/) ()
 (/) .. : : ()
 (/) .. :
 . () :
 () ()
 (/) ()
 . ()

:

) :

) : () (

. () (..

:

:

:

. ()

: (/) .. : : ()

() : (/)

(- /) ()

:

):

() (

:

()

:

:

()

} : : : ()

: : (/ /) (/) .{

(/) :

(/) ()

(/) (/) ()

:

:

:

:

.

()

:

:

..

. ()

.

.

:

: . :

:

/)

(/)

: : ()

(/

(/)

:)

: .

:(/)

(/) ()

(

(/ /)

):

):

(

(/)

()

:

:

•

•

•

-

-

-

-

-

-

-

-

-

) :
()

:

.

:

.

:

.

) :

()

:

..

..

:

()

()

(/)

(/)

_____ : : ()

(/ /)

(/)..

(/ /)

(/)

:

()

(/)

()

()

()

: :

) :
()

:

()

:

:

: (/) : : ()

: (/)

: (/ /) (/)

(/)

:

() :

):(/)

):

(

(/) ()

:

) :
) :

:
: .(

() (

:

()

:

:

_____ ()

: (/) : (/) ..
(/) . (/)
(/ /) (/) :

(/) ()

: :
()
):

.() (

.()

.() : : : :
) : : .

- -

() (

: . :
:

() ()

() ()

(/) (/) ()

(/) : : ()

(/) : (/) :

(/ /)

()

) :

() (

· : · : ·

()

) :

() (

: : :

()

: ()

:

(/)

(/)

()

:

(/)

:

:

()

:

(/)

(/ /)

(/)

()

()

:

(/)

:

:

()

(/ /)

(/)

(/)

()

(/)

()

) :

.(

: :
: _____ :

(-) : () :

()

() () :

()

: (/) : : _____ : ()

: (/)
(/) : (/)

(/ /) (/) :
(/) :

() (/) ()

(/) ()

(/) ()

() : () :

() :

() :

() :

() :

() :

() :

(/) :

(/) :

(/ /) :

(/) (/) ()

(/) (/) ()

:()

-
-
-

() (

) :

:

:

:

:

:

:

:

.()

.()

_____ () ()

: (/) :

: : () ()

(/) :

(/)

:

(/) :

(/ /)

(/ /)

(/)

()

()

()

:
 . ()
 .. :
 .
 ..
 . ()
 :
 : () :
 : .
 .
 .) :
 . ()
 :
 .. : ()
 - -
 () ()
 () / ()
 ()
 : (/) : : ()
 (/) ..
 : (/) :
 : (/)
 : (/ /) (/ /)
 (/) ()

) :

.() (

- -

! : .) :

() (

() : . ()

(/) .. (/) ..

_____ : ()

(/) : : ()

(/ /)

(/) ()

(/) ()

: ... :

()

()

: :

:

.. :

..

:

()

: :

()	(/)	()
()	(/)	()
()	(/)	()

()

() () :

..)

) :

() (

.. : .. : .. :

()

()

:

(/) ()

: .. (/) : (/) ()

(/) : (/) ..

: (/ /) (/) :

(/)

() : () :

(/) ()

: (/)

(/ /) (/) ..

(/) ()

() ()

..

()

..

:

:

:

:

.

::

:

):

()

_____ ()

() ()

⋮ _____ ⋮

⋮

⋮

.

⋮

⋮ _____ ⋮

:

()
()
) :

..)
) :

!(

) :

: ()
()

() ()
() ()
() ()

:

:

:

:



:

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

:

:



:

.

.

.

.

.

..

..

:

:

:

:



..

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

:

: _____ :

.

∴ ∴

(
(
(
(
(
(

(

(

(

(

(

(

(

(

:) , () /
 . () ()
 :) , () , /
 . ()
 . ()
 . () (:)
 (:) . ()
 , . () /
 . (:)
) () /
 . ()

،(:) ، ،() /
.()

.() ، ،(:) ،
:) () /
. (

،(:) ، ،() /
.() ،

.() (:)
(:) .()

،(:) ، ،() /
.() ،

:) ، ،() /
.() ، ،(

:) ، ، ،() /
.() ، ،(

، ،() /

, () , /
 :
 :) , , ,() /
 .() , ,()
 :) () /
 .() ()
 :) , ,() /
 .() , ,()
 ,(:) , () /
 .()
 () , /
 : , ,() /
 .() ,
 :) , ,() /
 .() , ,()
 () /
 .() (:)

(:) .()

:) ()

.() (

. : , () , /

.() , , () /

() /

.() , () /

.() , (:)

:) () /

.() (

.() , (:) ,

:) , () /

.() - (

:) , () /

.() , (

: , () , / .

: , , () , / .

// . /

<http://www.alarabnews.com/alshaab/> / - - /salman.htm

// .

http://www.awalethnain.com/view_archive.asp?archive_no=

:) , ,() / . , ,(

: () / .

, , () , / .() ,

: , () , / .

() / . (:)

.() , , , /
 :
 ,() /
 ,(:) , .()
 () /
 : , () , /
 .
 () () /
 .()
 (:)
 .()
 ,(:) , .()
 ,() /
 .() ,

:) () /
 .() ()
 . : , () /
 ,(:) , () , /
 . :
 () /
 .
 () /
 .
 () /
 .
 () /
 :) ,() /
 .() ()
 :) () /
 .() ()
 :) ,()
 .() , ,()
 , ,() /
 .() ,

.() (:)

.() ,

(:)

.()

.() ,

(:)

.()

.() (:)

() /

.() , /

.

(:) () /

.()

:) () /

.() (

: , () , /

.

:) , () /
 .() ,()

, () /
 .() , (:)

: ,(:) , () /
 . :

: , () , /
 .

,(, ,) () /
 . :

, , , /
 , () , / /
 . ,(:)

. : , () , /

:) ,()
 .() , ,(

. : , () , /

() , / , /

() /

:

.() , ,() /

: () () /

() ()

() /

.() (:)

:) () /

.() (

.(:) , ,() /

() /

() /

Nasty People)) () ,() /

:

،(:) ، ،() /
 .() ،

،(:) ،() /
 ()

) **(Self-Esteem)** () / /
 . : (

. ،(:) ، () /

. ، ،() /

: ،() ، /

.() ، ،() /

، () ، /

. ،) () ، /

. ، (

() /

:) , () /
. () (

() ()Weisinger Hendrie /

Positive Criticism The Power of

:) () /
. () (

Harry Shaw ,**Dictionary of Literary Terms** ,Mc GRAW-HILL BOOK
COMPANY, U.S.A

.

.

..

..

				١
				٢
		..		٣
				٤
				٥
				٦
				٧
				٨
		..		٩
				١٠
		..		١١
				١٢
		..		١٣
				١٤
		..		١٥
				١٦
		..		١٧
				١٨
				١٩
				٢٠
				٢١

				٢٢
				٢٣
				٢٤
				٢٥
				٢٦
		..		٢٧
				٢٨
				٢٩
				٣٠
				٣١
				٣٢
				٣٣
				٣٤
				٣٥
				٣٦
	-	..		٣٧
				٣٨

١٩٦		..	
١٦		
١١٧			
١٧٠			
٤٨		..	
٦٥			
٩٢		..	
١٧٤		..	
٥١			
٣٩		..	
٢٧		...	
٥٥			
٥٥		()..	
٣٨		..	
٧٦			
٣٥		..	
١٥٦		..	
٧٧			
١٣٩		..	
٨٦			
١١٠		..	
٦٦		..	
١٦٢		..	

٩٤		..	
٢٠١		..	
٨٧			
١٨٦		
٨٠		..	
٣٧		..	
٨٣		..	
٥٧		..	
١٧		
٥٠		..	
٨٢	 : ..	
٤٥		..	
١٦٥		..	
١٩٥		..	
٣٩		..	
١٩٨		..	
١٨٥		..	
١٧٥		..	
١٨		..	
١٧٦		..	
١٠١		..	
١٧٩		..	
٧١		..	
١٩		..	
٢٠٢		..	

٧٥			
٢٠٧			
٧٨		..	
٦١		..	
٩٠		..	
١١٥		..	
١٨٩			
٥٣			
٦٧		..	
١٦		..	
٦٥		..	
١٣٧		
٢٨		()..	
٩٦		..	
٣٦		..	
١٠٤			
١٢١			
١٠٦		..	
١٤٢			
٣٨٤			
٢٠٤		.. !	
٢٠٧			
٥٨		()..	
١١٦			
١٧٧		..	
٤٩		..	

٤٧		..	
٤٩		..	
١٠٠		..	
١٩٠		..	
١٢٠		..	
٧٠			
٧١		..	
١٦٩			
١٣١		.. :	
٤٧		..	
١٢٣		..	
١٢٧		..	
٦٨		..	
١٤١		..	
٢٠٤		..	
٤٠		..	
١١٨		..	
١٨٧			
١٢٧			
١٩٨		..	
٦٨		..	
٥٩		()..	
١٩٣		..	
١٩٣		..	

١٩٧		..	
١٩١			
١٦١		..	
١٦٢		..	
٤٦		..	
١٧١		..	
١٢٣		..	
٦٦		..	
١٦٣		
١٢٦		..	
٢٠٣		..	
١٢٤		..	
٢٠٠		..	
٥٣		..	
١٦٩		..	
٨٨			
١٦٨		..	
١٨٦		..	
٦٢		..	
١٠٨		
١٢١			
١٣٣		..	
١٧٣		..	
٤٩		..	
٦٧		!	

١٨		..	
٧٣		..	
٣٩		..!	
١٣٥			
١٥٤		..	
١١١			
٢٠٥		..	
١٨٢		..	
١٨٢		..	
١١٢		..	
١٥٨		

**THE PROPHETIC MANNER (GUIDANSE)
IN
CRITICIZING SELF AND OTHERS
FIRMLY ESTABLISHED CRITERION STUDY**

By
Fayda Ibrahim Hafez Awwad

Supervisor
Dr. Basem Al-Jawabreh, Prof.

ABSTRACT

This research provides a modern review to one of the major concepts in Islam that had been dealt with before under different terminology. This study concerns itself with the Prophetic manner of criticizing the self and the other. The study is humanitarian, instructive and moralistic in nature. It provides an analysis of the two types of criticism that had been found in the Prophetic tradition, namely, the instructive and negative destructive criticism, and the way the Prophet responded to each type.

The humanitarian aspect of the study appears in its demonstration to the Sharea's concerns in the building and development of a strong personality with a high self esteem that would preserve dignity and self respect. Other humanitarian aspects are manifested in the way the research represents the Prophets perceptive approach in dealing with people and understanding their nature and their needs. It is humanitarian in its message, as it calls for tolerance among people, and sets the rule of mutual respect and understanding to their interaction with each other.

The study is instructive in the sense that it sheds light on the shortcomings of specific situations that it provides, as it illustrates, then, the Prophet's position from these situations. Which overall, contributes to the process of building up a personality that is more capable of improving and living peacefully with others.

The study is moralistic as it displays the codes of behavior that the Prophet used in criticism. These codes of behaviors are presented in a way that urges every one to abide by them, whether the one who criticizes or the one who get criticized.

The study presents the concept of criticism from a modern perspective, which noticeable in the usage of modern concepts. However, the modern terminology that is used in the research does not indicate that this concept is new to the Sharea', this field of study is well-known under other names as " al 'amr bel ma'rouf wal nahyu 'an el monkar" which literally means advocate good and forbid wrong. According to the more common usage of the term "criticism" in our societies, the research presents criticism as a part in the chain of the instructive processes that had been generated by the Sharea' and that people are recommended to adhere to.

Finally, this study provides the method of criticism in Islam by accounting for several examples from the Prophetic tradition. The two forms of criticism, both the instructive and the destructive, had been treated in the research according the Prophetic view.